



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 1,51,905	Silver 2,95,000	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	---------------	-----------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------



सावन के तीसरे सोमवार को नगर भ्रमण पर निकले किलेश्वर महादेव

फूलों से सजे रथ में विराजित बाबा के हुए दर्शन, जगह-जगह सामाजिक संस्थाओं व धर्मप्रेमियों ने किया भव्य स्वागत



नीमच 17 अगस्त (निप्र)। सावन माह के तीसरे सोमवार को नीमच शिवभक्ति में डूबा नजर आया। शहर के आराध्य और नीमच के महाकाल कहे जाने वाले श्री किलेश्वर महादेव की भव्य शाही सवारी निकली तो सड़कों पर आस्था का सेंलाब उमड़ पड़ा। ढोल-नगाड़ों, भक्ति संगीत और हर-हर महादेव के जयकारों के बीच निकली शाही सवारी ने पूरे शहर को शिवमय कर दिया ।

विधि-विधान से शुरू हुई शाही सवारी - श्री किलेश्वर महादेव मंदिर परिसर से विधि-विधान एवं पूजन-अर्चन के साथ शाही सवारी का शुभारंभ हुआ। फूलों से सुसज्जित रथ में विराजित श्री किलेश्वर महादेव के दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में उमड़े। सवारी रेलवे स्टेशन, मंडी गेट और चौकना बालाजी चौराहा होते हुए ज्ञान मंदिर विधि महाविद्यालय के पास स्थित श्री अग्रसेन वाटिका चौराहा पहुंची। यहां युवा समाजसेवी एवं श्री किलेश्वर महादेव के परम भक्त अरुल-अशोक अरोरा (गंगानगर) ने फूलों से सुसज्जित रथ में विराजित नीमच के महाकाल श्री किलेश्वर महादेव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भावान शिव के जयकारे लगाए और वातावरण भक्तिमय हो गया। पूजन के बाद शाही सवारी मुख्य नगर भ्रमण के लिए रवाना हुई ।

जगह-जगह हुआ बाबा का भव्य स्वागत - शाही सवारी के मार्ग में जगह-जगह सामाजिक संस्थाओं, संगठनों और धर्मप्रेमी नागरिकों ने बाबा किलेश्वर महादेव का भव्य स्वागत किया। कई स्थानों पर पुष्पवांश की गई तो कहीं आरती उतारकर बाबा का आशीर्वाद लिया गया। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई थी। सवारी के आगे-आगे ढोल-नगाड़ों

युवा समाजसेवी अरुल अरोरा की अनूठी पहल

नीमच के जाने-माने युवा समाजसेवी अरुल अरोरा (गंगानगर) द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री किलेश्वर महादेव मंदिर पर इस भव्य और दिव्य फूल सजावट की पूरी जिम्मेदारी उठाई गई थी। उनकी इस निष्ठावान और धार्मिक पहल ने नीमच के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। उनकी और उनकी पूरी टीम की देखरेख में सजे इस दरबार की छटा देखते ही बन रही थी। युवा समाजसेवी अरुल अरोरा द्वारा जिले में लगातार विभिन्न धार्मिक और सामाजिक आयोजन किए जा रहे हैं, जिनकी श्रृंखला में यह भव्य शाही सवारी नीमच की पहचान बन चुकी है। इन आयोजनों की भव्यता को देखने के लिए नीमच ही नहीं, बल्कि दूर-दूर के जिलों और राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

और वाद्य यंत्रों की गूंज के बीच श्रद्धालु भक्ति में झुमते नजर आए। सवारी में शामिल आकर्षक झांकियां भी लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं । 17 से अधिक झांकियों ने मोहा मन - शाही सवारी में बाबा की बारात के साथ 17 से अधिक भव्य झांकियां शामिल रहीं। मेरठ की केरला झांकी, कलकत्ता की झांकी और राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। बाहुबली हनुमान, बाहुबली शंकर, नरमुंड की साडेड-फोकस प्रस्तुति तथा नंदी के साथ अघोरी की विशेष प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। नासिक के ढोल, झांझ पाटी, फोकस बैंड और गंगा आरती की झांकी ने शाही सवारी की भव्यता बढ़ाई। विशेष फोकस लाइट्स से सजी झांकियां रात में और भी आकर्षक नजर आईं।

हर-हर महादेव से गुंजता रहा शहर - सावन के तीसरे सोमवार को निकली श्री किलेश्वर महादेव की शाही सवारी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बाबा के दर्शन के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा रही। हर-हर महादेव, जय श्री महाकाल के जयकारों से नीमच की सड़कें गुंजती रहीं। शाही सवारी ने पूरे शहर में शिवभक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल बना दिया।



चाहे धार्मिक आयोजन हो या राष्ट्र गौरव कार्यक्रम हो, या हो खेल के आयोजन हर बार अरुल अशोक अरोरा खोल देते हैं दिल और धन की तिजोरी

मन्दसौर में स्नैपचैट पर दोस्ती कर युवती से रेप वीडियो बनाया, बोला-पैसे दो नहीं तो वायरल कर दूंगा, 15 लाख एंटे, आरोपी गिरफ्तार

मालवा फर्स्ट ऐश्वर्य शर्मा (पवन) नीमच ही नहीं पूरे अंचल में गंगानगर परिवार के अशोक अरोरा और अरुल अरोरा अपने आप में एक बड़ा नाम रखते हैं, अंचल में कहीं भी कैसा भी धर्म, राष्ट्र या खेल कार्यक्रम का आयोजन हो और उसमें अरुल अशोक अरोरा की सकरात्मक सहभागिता ना हो ऐसा कम ही देखने को मिलता है। नीमच शहर सहित जिले में कई नामी हस्तियां हैं... कई बड़े बड़े धना सेठ हैं... लेकिन अशोक भाई जैसा कोई नहीं है...

हर थोड़े दिनों में कोई ना कोई ऐसा आयोजन होता ही है जो लोगों के दिलों पर छाप छोड़ जाता है। बेहतरीन व्यवस्था, बेहतरीन मैनेजमेंट और दिल खोलकर खर्चा उन आयोजनों की शोभा और बढ़ा देता है। नीमच और पूरे अंचल में, जिनकी पहचान केवल कारोबार या सामाजिक हैसियत से नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी सहभागिता और योगदान से बनती है। गंगानगर परिवार भी ऐसा ही एक नाम है। धार्मिक आयोजन हो, राष्ट्र गौरव से जुड़ा कोई कार्यक्रम हो या खेलों का मंच हो जहां आयोजन में जनभागीदारी और सहयोग की जरूरत होती है, वहां गंगानगर परिवार की मौजूदगी

के प्रसिद्ध किलेश्वर महादेव की शाही सवारी, जगन्नाथ यात्रा, फाग यात्रा, सवारियां सेठ पैदल यात्रा से लेकर भादवामाता मंदिर के आयोजनों तक, शहर में निकलने वाली सभी यात्राओं के लिए जो बन पड़ता है कर देते हैं। शायद इसी लिए ये सबसे हटकर हैं, सबके चहेते हैं। सबके दिलों पर राज करते हैं। हर आयोजन के बाद सबके मन में अशोक भाई के लिए सम्मान को और बढ़ा देता है। किलेश्वर महादेव मंदिर में सावन के पवित्र माह को लेकर सावन से एक माह पूर्व से लगातार बैठके की गई, एक से बढ़कर एक आकर्षक साजसजा की गई, फूलों से सजाया गया, शाही सवारी को लेकर

अक्सर दिखाई देती है। इस परिवार की सामाजिक सक्रियता की बात हो तो अशोक अरोरा और उनके पुत्र अरुल अरोरा का नाम प्रमुखता से सामने आता है। नीमच

माह को लेकर सावन से एक माह पूर्व से लगातार बैठके की गई, एक से बढ़कर एक आकर्षक साजसजा की गई, फूलों से सजाया गया, शाही सवारी को लेकर

भी व्यापक व वृहद स्तर की व्यवस्थाएं की गई, एक से बढ़कर एक झांकियां, सभी कुछ बेहतरीन हो उसके लिए अरुल अशोक अरोरा और किलेश्वर मंदिर की टीम ने रात दिन एक कर आयोजन को सफल बनाया। बाबा किलेश्वर महादेव की शाही सवारी में कोई कमी नहीं हो किसी को कोई दिक्कत ना हो, हर चीज उत्कृष्ट हो इसी पर पूरा फोकस किया गया। और जब सावन के तृतीय सोमवार नीमच के राजा किलेश्वर महादेव जन्मा का हाल जानने निकले तो पूरा शहर उमड़ पड़ा महादेव के दर्शन करने। जगह जगह महादेव का स्वागत सत्कार पलक पावड़े बिछाकर किया गया। सबका मन प्रसन्न था... भाव विभोर होकर लोगों ने किलेश्वर महादेव मंदिर समिति और अरुल अशोक अरोरा का भी सहदय स्वागत अभिनंदन किया।

मन्दसौर । मंदसौर के वायडी नगर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर दोस्ती कर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने 28 वर्षीय युवक को सूरत से गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर युवती से दोस्ती की। शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर सोने के जेवर ले लिए। आरोपी से 15 लाख रुपए की ज्वेलरी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, मंदसौर निवासी पीड़िता की 2025 में स्नैपचैट के जरिए राजवीर नाम के युवक से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों इंस्टाग्राम पर

बातचीत करने लगे। उनके बीच प्रेम संबंध बन गए। आरोपी पीड़िता से मिलने मंदसौर आने लगा।

शादी का झांसा देकर होटल में किया रेप - आरोप है कि इसी दौरान आरोपी युवक ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर होटल में बुलाया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने होटल में पीड़िता का वीडियो भी बना लिया।

फिर वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोपी ने पीड़िता से सोने के जेवर की मांग की। डर से पीड़िता ने अपनी मां, बहन, भाभी और खुद के सोने के जेवर आरोपी को दे दिए।

परिवार को ज्वेलरी गायब होने पर हुआ शक - घर से लगातार ज्वेलरी गायब होते देख पीड़िता के परिवार को शक हुआ।

उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। 18 जुलाई को पीड़िता ने परिजनों के साथ वायडी नगर थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

आरोपी से 15 लाख के जेवर बरामद - फिर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि पीड़िता जिस राजवीर के नाम से जानती थी। उसका असली नाम गोपाराम उर्फ गोपाल उर्फ राजवीर है।

वह राजस्थान के सिरोंहा का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी से जेवर बरामद किए हैं जिसमें सोने की 4 चूड़ियां, उंगलियों की 4 अंगुठियां, गले के 5 सोने के मांदलियां, एक सोने का हार, एक मंगलसूत्र, एक सोने की चेन और एक जोड़ी सोने की झुमकियां शामिल हैं। सभी की कीमत 15 लाख रुपए है।

नीमच कलेक्ट्रेट में आत्मदाह का प्रयास, किसान ने खुद पर डीजल छिड़का, पुलिसकर्मियों ने बचाया; बोला- अधिकारी गुमराह कर रहे

नीमच जिले की मनासा तहसील के ग्राम कंजोडा निवासी किसान हीरालाल मालवीय ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आत्मदाह का प्रयास किया। पुरतैनी जमीन पर अवैध कब्जे और प्रशासनिक उपेक्षा से परेशान होकर किसान ने अपने ऊपर डीजल छिड़क लिया, जिससे जनसुनवाई में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनसे माचिस छिन ली। पीड़ित किसान का आरोप है कि उसकी सर्वे नंबर 701 स्थित जमीन पर पड़ोसी भू-स्वामी गलत नंबरों की आड़ में लगभग 12

आरी जमीन पर जबरन निर्माण कर कब्जा कर रहा है। न्याय के लिए 100 से अधिक बार अधिकारियों के चक्कर काट चुके किसान ने आरोप लगाया कि कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद मनासा तहसील के अधीनस्थ अधिकारी भ्रामक रिपोर्ट बनाकर उसे झूठा साबित करने में लगे हैं।

प्रशासनिक उपेक्षा से परेशान होकर किसान ने अपने ऊपर डीजल छिड़क लिया, जिससे जनसुनवाई में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका। किसान ने कलेक्टर से स्वयं मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

एडीएम बोले- 7 बार कराया सीमांकन - मामले पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) बीएल कलेश ने बताया कि किसान का मामला

संज्ञान में है और एसडीएम द्वारा गठित राजस्व दल 7 बार जमीन का सीमांकन करा चुका है। सीमांकन रिपोर्ट के अनुसार किसान अपने वास्तविक रकबे पर काबिज है और वह निर्धारित सीमा से अधिक जमीन की मांग कर रहा है।

फिर से विस्तृत जांच के निर्देश - किसान की लगातार असंतुष्टि और मामले को देखते हुए एडीएम ने एसडीएम को पूरे विवाद की एक बार फिर से निष्पक्ष और विस्तृत जांच करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

वंशीलाल गुर्जर बने भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नीमच में जश्न



भाजपा कार्यकर्ताओं और किसानों में उत्साह का माहौल है। किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू नागदा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी जताई और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीलेश पाटीदार, जिला मंत्री रोशन वर्मा, कार्यालय मंत्री विनोद नागदा, किसान मोर्चा जिला महामंत्री सूरज सिंह शक्तावत, ललित ग्वाला सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोल से गिरे आउटसोर्स कर्मचारी की मौत

नीमच। जिले के रामपुरा में विद्युत सुधार कार्य के दौरान पोल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए आउटसोर्स कर्मचारी मनोष आर्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार को उनका शव रामपुरा पहुंचते ही परिजनों और समाजजनों ने नीमच-झालावाड़ रोड पर कॉलेज गेट के सामने शव रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने दोषी अधिकारियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने, पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने और मृतक की पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने की मांग की। मृतक मनोष आर्य के तीन छोटे बच्चे हैं। चक्काजाम के कारण नीमच-झालावाड़ मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर एसडीएम किरण आंजना, एसडीओपी निकिता सिंह, तहसीलदार कमलेश डूडवे और थाना प्रभारी नीलेश सोलंकी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

भारत में पाकिस्तानियों को मिल गई नागरिकता?



डॉ. रमेश ठाकुर

बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई है जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपास है।

कि सी पाकिस्तानी को आज के दौर में हिंदुस्तान में बसाना, उन्हें पनाह देना या फिर नागरिकता देनी वाली बात, शायद ही किसी के गले उठरे? बसाना तो दूर, ऐसा सोचना मात्र भी, सूरज का पूरब की जगह पश्चिम से निकलने जैसा माना जाएगा। पर, यह कोरी कल्पना पिछले दिनों हकीकत में तब्दील हुई। भारत में 56 साल पहले आए पाकिस्तानियों को नागरिकता दी गई है। वह भी एकाध लोगों को नहीं, बल्कि हजारों को। सरकार ने पिछले महीने बकायदा एक रंगारंग कार्यक्रम कर, ढोल-नगाड़े बजाकर विस्थापित पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रमाण पत्र बांटे। ताज़्जुब यह भी है कि ऐसा चमत्कार हुकूमत ने ऐसे माहौल में किया, जब समूचे भारत में विभिन्न देशों के घुसपैठियों को निकालकर उन्हें खदेड़ने का अभियान केंद्रीय व राज्य स्तरों पर छिड़ा हो। इस अभियान की बानगी हमने हाल में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान भी देखा। जब दो बॉर्डर राज्य, असम और पश्चिम बंगाल, का चुनाव इसी मसले के इर्दगिर्द घुमा। घुसपैठियों के अलावा भारत में कुछ वर्षों से एनआरसी और सीएफ का भी शोर है। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तानियों को नागरिकता देने का बड़ा जाखिम उठाया। सरकार ने यह कदम क्यों उठाया? हालांकि, इस फैसले के सियासी मायने बहुतेरे हैं, जिसकी तस्वीर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगी। सरकार ने विस्थापितों को नागरिकता हिंदुस्तान के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में दी है। जिले का नाम है पीलीभीत जो नेपाल बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है जिसकी पहचान बांसुरी निर्माण के अलावा तराई क्षेत्र के लिए भी प्रसिद्ध है। पीलीभीत को मिनी पंजाब भी कहते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज, जैव-विविधता के अलावा विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व तो है ही, धान की पैदावार के लिए भी जिला पूरे प्रदेश में विख्यात है। सरकार ने जिन परिवारों को बसाने का फैसला किया है उनमें बंगाली हिन्दू, बौद्ध, जैन और सिख शामिल हैं। भारत के नक्शे में देखें, तो पीलीभीत हिंदुस्तान



के एक अलहदे छोर पर बसा है जहां करीब पांच दशक से भी ज्यादा पहले पाकिस्तान से आए विस्थापित लोग बस गए थे। तभी, से वह विभिन्न सरकारों से नागरिकता मांगते आए हैं। सरकारी कागजों के मुताबिक पूर्वी पाकिस्तान से वर्ष 1959 से 1971 के बीच पाकिस्तान से पीड़ित होकर कुछेक परिवार भारत आए थे। शुरुआत में यह परिवार कई राज्यों में भटकते रहे, कहीं ठिकाना नहीं मिला। आखिरकार उन्हें बाद में यही जिला मुफीद लगा। पीलीभीत के अलावा कुछ नागरिकता रामपुर और बिजनौर में बसे विस्थापितों को भी दी गई है। पीलीभीत के जिस क्षेत्र में यह परिवार रहते आए हैं वह जगह कभी विरान होती थी। इन लोगों ने इसे रहने लायक बनाया और उबड़िखाबड़ जगहों पर मेहनत करके उसे खेतीबाड़ी के लिए तैयार किया। आज इस क्षेत्र में अच्छी फसलें उगती हैं। सभी के पास कागजी दस्तावेजों के रूप

में भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि पहले से मौजूद हैं। साथ ही लंबे वक्त से मतदान भी करते आए हैं। लेकिन नागरिकता और मालिकाना हक से वंचित थे, जिसे मौजूदा योगी सरकार ने पूरा कर दिया। ये परिवार पीलीभीत जिले के अमरिया, न्युरिया, शारदा डैम की तलहटी सहित आसपास के क्षेत्रों में बसे हैं। सरकार ने उन्हें खेती और आवास के लिए जमीन तो पहले से दी हुई है। लेकिन मालिकाना हैसियत नहीं दी, जिसके लिए यह लोग दशकों जदोजहद कर रहे थे। प्रत्येक चुनावों में इनसे के झूठा आश्वासन हुआ। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने भी इनको नागरिकता दिलवाने का दिलासा दिया। पर, कुछ राजनैतिक अड़चनों के चलते वादा पूरा नहीं कर पाए। बीते 2022 के विधानसभा चुनाव में इनके साथ वादा किया गया था, जिसे अब पूरा किया गया। प्रदेश सरकार की पहल

पर सभी पीड़ित परिवारों को सूचीबद्ध करके नागरिकता और मालिकाना के प्रमाण बांटे गए हैं। नागरिकता करीब 2500 परिवारों को दी गई है जिनकी कुल संख्या 15 हजार के आसपास है। ऐसा करके सरकार ने शायद विपक्षी दलों को बड़ा सियासी मुद्दा बैठे-बिठाए थमा दिया है। ये लोग वर्ष 1960 से 1975 के बीच धार्मिक प्रताड़ना के चलते पूर्वी बंगालादेश जो अब पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा है, से भारत आए थे और उत्तर प्रदेश के तराई के जिले पीलीभीत में आकर बसे। ये क्षेत्र पीलीभीत जिले की कलीनगर व पूरनपुर तहसीलों में आते हैं जहां ये करीब 25-26 गांवों में बसे हैं। पिछले महीने 29 जून को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले में दौरा हुआ जिसमें मुख्यमंत्री ने इनको ना सिर्फ नागरिकता के प्रमाण पत्र बांटे, बल्कि मालिकाना हक के सरकारी कागज भी दिए। यह फैसला चुनाव के ऐन वक्त लिया गया। प्रदेश में मात्र 6-7 महीनों बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसलिए सरकार के इस निर्णय पर प्रदेश की राजनीति जमकर गर्माई हुई है। विपक्षी पार्टियों ने सीधे-सीधे एक बड़े वोटबैंक को साधने का आरोप मौजूदा सरकार पर लगाया है। पाकिस्तानी विस्थापियों को बसाने का यह पहला चरण है, अभी दूसरा चरण शेष है। 35 हजार लोग और हैं जो बहराईच, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर, बिजनौर जैसे जिलों में बसे हैं। सभी को चिह्नित किया जा चुका है, अगले कुछ महीनों बाद इन्हें भी मुकम्मल नागरिकता देने का फैसला हो चुका है। सरकारी आंकड़ों की माने तो प्रदेश के करीब सात-आठ जिलों में कुल 55 हजार विस्थापित पाकिस्तानियों की आबादी है, इन्में प्रत्येक वर्ष तेजी से इजाफा भी हो रहा है। 56 वर्ष पहले धार्मिक प्रताड़ना के रूप में मात्र 12 हजार 380 लोग आए थे। आबादी बढ़ाने के पीछे इनका मकसद था कि बढ़ी आबादी से सरकारों को वोटिंग का लालच देकर किसी भी दल पर दबाव बना सकेंगे। कमोबेश, हुआ भी वैसा ही। अपने योजनाओं में यह लोग आज सफल हुए हैं।

संपादकीय

‘विकसित भारत’ का संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, लेकिन कोई नई नीतिगत घोषणा नहीं कर पाए। कुछ आंकड़े गिना दिए गए। संबोधन का फोकस 'विकसित भारत' और युवाओं पर रहा। विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री कई बार दोहरा चुके हैं और युवाओं की बात करना 'राजनीतिक विवशता' हो सकती है। प्रधानमंत्री के करीब 77 मिनट के संबोधन का निष्कर्ष दो शब्द-युग्म रहे-'सप्तधारा' और 'दिमागी नक्सल'। इन दो शब्द-युग्मों से भारत कभी भी 'विकसित' नहीं बन सकता। प्रधानमंत्री के संबोधन का विश्लेषण करने से पहले दो तथ्य प्रस्तुत करना चाहता हूं। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के राष्ट्रपति थे, तब घोषित दावा किया गया था कि 2020 में भारत 'विकसित राष्ट्र' होगा। क्या हुआ? क्या उसका कोई रिपोर्ट-कार्ड उपलब्ध है अथवा कोई प्रगति-कथा है? उसके बाद 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार को देश ने जनदेश दिया, तो बुनियादी नारा था-'अच्छे दिन आएंगे।' वह संभव नहीं लगा, तो प्रधानमंत्री मोदी ने 'अच्छे दिनों' की समय-सीमा 2047 तक कर दी और 'विकसित भारत' के उद्घोष शुरू कर दिए गए। अर्थात् 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी की जवाबदेही खत्म हो गई। तब वह प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इतना निश्चित है। जो भी प्रधानमंत्री होगा, अब जवाबदेही उसकी होगी। बहरहाल प्रधानमंत्री ने 'शक्ति की सप्तधारा' का आह्वान किया है। ये सप्तधाराएं हैं-विनिर्माण-उत्पादन, कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी-नवाचार, गतिशील, रक्षा-साइबर सुरक्षा, ग्रीन एनर्जी-ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पॉवर।

देश इन 'सप्तधाराओं' को पहले से ही जानता है, बेशक नामकरण बदल दिए गए हों। हालांकि प्रधानमंत्री ने इन्में देश के 'कोर सेक्टर' के कुछ महत्वपूर्ण आधार छोड़ दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से खुलासा और दावा किया है कि भारत में मोबाइल निर्माण-उत्पादन 33 गुना, खादी-ग्रामोद्योग 5 गुना, रेलवे कोच निर्माण 31 गुना, मैक्रोफैक्ट्रिंग 7 गुना, इंटरनेट 4 गुना, गैस कनेक्शन 6 गुना, नल से जल 15 गुना, शौचालय 4 गुना, गरीबों को पक्के घर देना 3 गुना और डिजिटल भुगतान, लेन-देन 100 गुना बढ़ा है। यकीनन भारत ने प्रगति की है, लेकिन अमरीका, चीन, जर्मनी, जापान आदि देशों की तुलना में हम आज भी बहुत पीछे हैं। भारत में सेमीकंडक्टर के तीन प्लांट अभी शुरू हुए हैं, लेकिन चीन और ताइवान दुनिया को सेमीकंडक्टर सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगामी 7-8 साल का लक्ष्य बताया है कि सेमीकंडक्टर के 5-7-8 प्लांट शुरू हो जाएंगे। निश्चित संख्या नहीं है। हम कृत्रिम बुद्धिकता (एआई) के क्षेत्र में भी 'शिशुवत' हैं और प्रधानमंत्री ने आश्चर्य करने की कोशिश की है कि आगामी एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसी ही आकर्षक घोषणा बजट में की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में 5 साल में 1 करोड़ युवा 'इंटर्नशिप' करेंगे। उन्हें 5000 रुपए मानदेय भी दिया जाएगा। नतीजा क्या रहा, प्रधानमंत्री इसका भी खुलासा कर देते। यह इच्छा करना सुखद लगता है कि फॉर्च्यून की 500 शीर्ष कंपनियों में 50 भारतीय भी हों, फार्मा कंपनियां शीर्ष 5 कंपनियों में हों, शीर्ष 10 बैंकों में भारतीय भी हो और भारत की अपनी रेटिंग एजेंसी हो। आज 79 साल की आजादी के बाद भी भारत का एक विश्वविद्यालय भी शीर्ष 100 तो क्या, शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है। करीब 73 फीसदी बच्चे 12वीं तक भी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। प्रधानमंत्री नए विश्वविद्यालय और स्कूल खोलने की घोषणा करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने यह नहीं बताया कि एआई ट्रेनिंग के साथ रोजगार किनका बढ़ेगा? ऑनलाइन कोचिंग निशुल्क होगी, लेकिन परीक्षा-प्रणाली कितनी पारदर्शी, ईमानदार होगी? कोचिंग का कारोबार करीब 58,000 करोड़ रुपए का है और करीब 7.10 करोड़ छात्र कोचिंग ले रहे हैं। क्या इस समीकरण को तोड़ा जा सकता है? प्रधानमंत्री ने तेल की तलाश में 'समुद्र-मंथन' शुरू कराया है। हाईड्रोजन ट्रेन एक सुखद शुरुआत है। 'सूर्यधर' का प्रयोग भी सफल हो रहा है।

वित्त-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पितृष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्त प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रंथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यु भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की मांसपेशियां खिंचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती है। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने वाला ना बना कर शांत चित्त बनाना चाहिए।

नीमच। भारतीय मजदूर संघ (BMS) ने प्रदेश के संप्रति, असंगठित, आउटसोर्स, दैनिक वेतनभोगी और संविदा कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर राज्य सरकार से आर-पार की मांग रखी है। संघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर 53 सूत्रीय मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। बीएमएस का कहना है कि पूर्व में 17 नवंबर 2025 को भी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया था, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों पर जल्द ठोस निर्णय नहीं हुआ तो प्रदेशभर में कर्मचारी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

बीएमएस ने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए उचित एवं स्थायी नीति बनाने की मांग की है। संघ के अनुसार आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए निगम या मंडल का गठन कर उन्हें 62 वर्ष की आयु तक सामाजिक सुरक्षा और श्रम कानूनों का लाभ दिया जाना चाहिए। वहीं 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतनभोगियों को स्थायी करने, सातवें वेतनमान, अनुकंपा नियुक्ति और अवकाश नागदीकरण जैसे लाभ देने की मांग भी की गई है।

कृषि मजदूरों के लिए 18 हजार रुपए न्यूनतम वेतन की मांग को भी प्रमुखता



से उठाया गया है। संघ ने ग्रामीण एवं बागवानी कृषि मजदूरों का न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह निर्धारित करने तथा साल में कम से कम 180 दिन रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है। पटवारियों का ग्रेड-पे 2100 से बढ़ाकर 2400 रुपए करने और कोटवारों को भूमि मालिकाना हक वापस देने के साथ मानदेय में प्रतिवर्ष 500 रुपए की वृद्धि की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के कर्मचारियों को लेकर भी कई मांगें रखी गई हैं। अतिथि शिक्षकों को 62 वर्ष की आयु तक निरंतर सेवा में रखने और भर्ती में अनुभव के आधार पर बोनास अंक देने की मांग

की गई है। मिड-डे मील रसोइयों का मानदेय बढ़ाकर 10 हजार रुपए करने तथा योजना का निजीकरण बंद करने की मांग है। आशा एवं सुपरवाइजर्स के मानदेय में हर वर्ष एक हजार रुपए की वृद्धि तथा फार्मासिस्टों के लिए केंद्रीय राजपत्र 2025-26 के अनुरूप भर्ती, पदोन्नति और सेवा नियम लागू करने की मांग भी संघ ने रखी है।

गिग वर्कर्स से लेकर बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों तक मांगें - बीएमएस ने ओला, उबर और रैपिडो जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़े गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा श्रम कानूनों में आवश्यक संशोधन

की मांग की है। टैक्सी किराया निर्धारण के लिए न्यूनतम 50 रुपए बेस प्राइज और 22 से 30 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से नीति बनाने की मांग भी की गई है। बिजली विभाग के जोखिमपूर्ण कार्य करने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए 3 हजार रुपए प्रतिमाह जोखिम भत्ता देने, 70, 80 और 90 प्रतिशत वाली स्टायफंड व्यवस्था समाप्त कर शत-प्रतिशत वेतन देने की मांग की गई है। अनुकंपा नियुक्ति एवं पदोन्नति में CPCT की अनिवार्यता समाप्त करने तथा कर्मचारियों की ग्रेयुटी सीमा बढ़ाकर केंद्र के समान 25 लाख रुपए करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

बीएमएस प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रदेश के विकास और सरकारी व्यवस्थाओं को सुचारु रखने में लाखों कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन लंबे समय से उनकी कई मांगें लंबित हैं। 17 नवंबर 2025 को ज्ञापन सौंप जाने के बावजूद ठोस निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी है। संघ ने मुख्यमंत्री से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आदेश जारी करने की मांग की है। बीएमएस ने स्पष्ट संकेत दिया है कि यदि 53 सूत्रीय मांगों पर सरकार की ओर से जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई, तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी रूप दिया जा सकता है।

51 लाख की अफीम का खुलासा : बस का इंतजार कर रहा था जोधपुर का तस्कर, नीमच कैट पुलिस ने 10 किलो अफीम के साथ दबोचा

नीमच। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ नीमच पुलिस की कार्रवाई में एक और बड़ी सफलता सामने आई है। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने सोमवार को प्रेसवार्ता में 10 किलो 150 ग्राम अवैध अफीम की बरामदगी का खुलासा किया। नीमच कैट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान के जोधपुर जिले के 43 वर्षीय आरोपी सुमेर राम पिता अन्नाराम विरोनई को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जब्त अफीम की अनुमानित कीमत करीब 51 लाख रुपए है। आरोपी अफीम लेकर राजस्थान जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ लिया।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने बताया कि 16 अगस्त को नीमच कैट थाने के उपनिरीक्षक जाकिर हुसैन मंसुरी को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध अफीम लेकर राजस्थान की ओर जाने वाली बस के इंतजार में खड़ा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की और बताए गए स्थान पर निगरानी शुरू की। संदिग्ध व्यक्ति की पहचान सुमेर राम, उम्र 43 वर्ष, निवासी डेलु मनाडा की ढाणी, थाना झंवर, जिला जोधपुर, राजस्थान के रूप में हुई।

पुलिस टीम ने संदिग्ध को पकड़कर उसके कब्जे में मौजूद कपड़े के बैग की तलाशी ली। बैग के अंदर चार अलग-अलग



थैलियों में मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया था। जांच के दौरान कुल 10 किलो 150 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने अफीम जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 51 लाख रुपए आंकी गई है।

पूछताछ में खुलेगा तस्करी नेटवर्क का राज - इतनी बड़ी मात्रा में अफीम बरामद होने के बाद पुलिस अब केवल आरोपी की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि इसके पीछे सक्रिय सप्लाय नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि अफीम उसे कहां से मिली, इसे किस व्यक्ति ने उपलब्ध कराया था और राजस्थान पहुंचने के बाद इसकी डिलीवरी किसे की जानी थी। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ और विवेचना

के दौरान तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। मामले में थाना नीमच कैट पर अपराध क्रमांक 425/2026, धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा बरामद अफीम के स्रोत और आरोपी के संपर्कों की जांच की जा रही है।

एसपी के निर्देशन में हुई कार्रवाई - कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नीमच कैट निरीक्षक सौरभ शर्मा के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक जाकिर हुसैन मंसुरी, आरक्षक अंकित मौढ़, अल्पेश बैरागी, सुरेश माली, रामनारायण और भाग्यप्रताप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

निकायों की लॉटरी में लगे सांवलिया सेठ के जयकारे, इस बार 83 महिलाओं को मौका



चित्तौड़गढ़ के 7 निकायों की 250 वाडों की लॉटरी आज निकाली गई। चित्तौड़गढ़ नगर परिषद के साथ निंबाहेड़ा नगर परिषद, रावतभाटा नगर पालिका, कपासन नगर पालिका, बड़ीसादड़ी नगर पालिका, अकोला नगर पालिका, बेगूं नगर पालिका के वाडें शामिल रहे। इस बार जिले के निकायों में 83 महिला पार्षद बनेंगीं। हर कैटेगरी में 33 फीसदी वाडें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। चित्तौड़गढ़ नगर परिषद के लिए 13 अगस्त को ही लॉटरी निकल चुकी है और सभापति का पद अनारक्षित ओपन हुआ है।

लॉटरी में लगे सांवलिया सेठ के जयकारे - लॉटरी की प्रक्रिया लगभग 25 मिनट लेट शुरू हुआ। सबसे पहले जिला कलेक्टर डॉक्टर मंजु और अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश थाकड़ ने सभी को ब्रीफ किया। बच्चों द्वारा लॉटरी की शुरुआत की गई। सबसे पहले रावतभाटा नगर पालिका की लॉटरी निकाली गई। इसके बाद अकोला, बेगूं, कपासन, निंबाहेड़ा, बड़ी सादड़ी और आखिर में चित्तौड़गढ़ नगर परिषद की लॉटरी निकाली थी। चित्तौड़गढ़ का नाम आते ही सभी जनप्रतिनिधियों ने सांवलिया सेठ के जयकारे लगाए। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया, कांग्रेस के अहसान पटान, विजय चौहान, बालमुकुंद मालीवाल, कैलाश पंवार, अशोक वैष्णव, नवकृतन जीनागर, बीजेपी महामंत्री रघु शर्मा, भोलाराम प्रजापत, अनिल इनाणी, हरीश इनाणी, सुधीर जैन मौजूद रहे। लॉटरी के बाद बीजेपी महामंत्री रघु शर्मा ने कहा कि आरक्षण की लॉटरी के साथ चुनावी तैयारियां आगे बढ़ाई जाएंगीं। वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया ने कहा कि वाडें आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पार्टी ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। जयपुर में होने वाली बैठक के बाद वाडें स्तर पर समन्वय के साथ पैलट तय किए जाएंगे, सर्वे कराया जाएगा और सभी नेता व कार्यकर्ता मिलकर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे।



ज्योतिष में है भविष्य

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे सबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के

अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है। डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुंचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुंचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हर एक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसर्प्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसर्प्शन और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की



होती है। इंटरव्यूअर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजिटिव एटीट्यूड को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप

उनका जवाब पॉजिटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्प्लेंट्स और फ्रैडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं - 1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशा मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटिविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, गैलमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कॉर्पोरेट और इंडस्ट्रियल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में गैलमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मेगजीन, विज्ञापन प्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका



होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्ज्वल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

कलेक्टर की सख्ती : हर उद्योग के पानी के स्रोत की होगी जांच, 15 दिन में मांगी रिपोर्ट, स्कूल-आंगनवाड़ियों में नल कनेक्शन और लंबित पेयजल शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश

नीमच। जिले में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने और जल स्रोतों की निगरानी को प्रभावी बनाने के लिए कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पेयजल उपलब्धता, जल स्रोतों, जल निगम एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों तथा जलापूर्ति व्यवस्थाओं

की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल व्यवस्था से जुड़े कार्यों में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी उद्योगों एवं औद्योगिक इकाइयों में जल स्रोतों और पानी के उपयोग की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने महाप्रबंधक, जिला व्यापार



एवं उद्योग केन्द्र को निर्देशित किया कि प्रत्येक उद्योग में पानी कहाँ से आ रहा है, किस जल स्रोत का उपयोग किया जा रहा है और कितनी मात्रा में पानी उपयोग हो रहा है,

इसकी जानकारी सहित सूची तैयार की जाए। सभी उद्योगों का निरीक्षण कर 15 दिवस में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी

विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने एफएलए ग्राम योजनाओं वाले ग्राम पंचायतों में जलकर वसूली की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को ग्राम पंचायतों के साथ समन्वय कर लंबित जलकर की राशि वसूलने तथा मध्यप्रदेश राजपत्र के निर्देशों अंतर्गत जलकर का पुनः निर्धारण करने को कहा गया। विभाग ने बैठक में बताया कि जिले के सभी जल स्रोतों में क्लोरीनेशन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। गंगाबावड़ी समूह जल प्रदाय योजना की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने योजना के तहत ग्राम पंचायतवार

जलकर वसूली की मॉनिटरिंग करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों की कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर काम करने वाली पंचायतों को जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित करने को कहा। साथ ही सभी ग्राम पंचायतों को जलापूर्ति व्यवस्था सुचारु रखने के लिए संबंधित विभागों से सक्रिय समन्वय करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने को कहा। उन्होंने आगामी एक माह में अधिक से अधिक संस्थानों में नल कनेक्शन

पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों और महिलाओं के लिए स्कूल एवं आंगनवाड़ी जैसे संस्थानों में सुरक्षित और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। बैठक में जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की 50 और 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ऐसी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल से जुड़ी शिकायतों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और अधिकारी

शिकायतकर्ता से सीधे समन्वय कर वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में जल स्रोतों की निगरानी, जलापूर्ति योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, जलकर वसूली, स्कूल-आंगनवाड़ियों में नल कनेक्शन और लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर रहा। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री दीपेश वासपत, जल निगम परियोजना क्रियान्वयन इकाई निमच के महाप्रबंधक धीरेन्द्र कुमार बिजौरिया सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जिला नीमच (म.प्र.)

RBS GROUP OF INSTITUTION
कोलेज केम्पस : हकियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड, नीमच (म.प्र.)
Ph. (07423) 268268-69-70, M.9425922520, 7869587202, 7694015501 7694015502

NURSING (नर्सिंग)	MGMT & COMMERC	Computer & IT	SOCIAL WORK	PHARMACY
GNM (नर्सिंग)	BBA (नर्सिंग)	BCA (नर्सिंग)	MSW (नर्सिंग)	D. PHARMA (नर्सिंग)
B.Sc. (नर्सिंग)	MBA (नर्सिंग)	B.Sc. (cs) (नर्सिंग)		
M.Sc. (नर्सिंग)	B.Com (plain) (नर्सिंग)	DCA (नर्सिंग)		
P.B. B.Sc. (नर्सिंग)	B.Com. (Compu.) (नर्सिंग)	PGDCA (नर्सिंग)		
			D.Ed (नर्सिंग)	B.Ed (नर्सिंग)

SC/ST/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति

RRM Radhadevi Ramchandra Mangal Group of Institutions

100% Placement Courses Offered - Bus Facility Available

BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain, B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology, B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW

Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392

SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES
Admission Open 2025-26
वर्मास तिवारी Director
विरेन्द्र (राज्य) विवारी

MBA 2 Year	B.Pharm 4 Year	D.Pharm 2 Year
B.Ed. 2 Year	D.Ed./STC 2 Year	B.Sc. B.Ed. 4 Year
B.A. B.Ed. 4 Year		

Singoli Road, Newad, Neemuch (M.P.) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P.)
8817326635, 8109927774 | shriscollege | colleges90@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला जेल, जिला नीमच (म.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जल संसाधन विभाग, जिला नीमच (म.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
गुप्ता नर्सिंग होम, मनासा रोड़, नीमच

सुप्रीम कोर्ट में फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज : मौत के लिए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीकों की मांग की गई थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को अस्वैधानिक घोषित किया जाए। याचिका में फांसी को क्रूर, अमानवीय और दर्दनाम बताया गया था। इसकी जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने जैसे चार वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका खारिज करने का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में

संवैधानिक समीक्षा का रास्ता बंद हो गया है। अगर ठोस वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभवजन्य सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे की दोबारा जांच की जा सकती है। कोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार विशेषज्ञों की समिति बनाकर मौजूदा फांसी की व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर सकती है। समिति यह जांच सकती है कि क्या कोई वैकल्पिक तरीका अनावश्यक पीड़ा कम करने और दोषी की गरिमा बनाए रखने में बेहतर है। वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में यह याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया था कि फांसी की प्रक्रिया में 40 मिनट से ज्यादा लग सकते हैं,

जबकि गोली मारने में कुछ मिनट और जहरीले इंजेक्शन में करीब 5 मिनट लगने का दावा किया गया। याचिका में C-PC की धारा 354(5) को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई थी। इसी धारा के तहत मौत की सजा पाए दोषी को गद्दन से तब तक लटकया जाता है, जब तक उसकी मौत न हो जाए। याचिकाकर्ता ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले जीवन और गरिमा के अधिकार के खिलाफ बताया गया। मल्होत्रा ने यह भी कहा था कि मौत की सजा पाए कैदी को फांसी और जहरीले इंजेक्शन में से कोई एक तरीका चुनने का विकल्प मिलना चाहिए।

श्री देव वेल्डिंग वर्क्स
आवश्यकता है
वर्कशाप पर काम करने के लिए
वेल्डर, फिटर और हेल्पर
की तुरंत आवश्यकता है

संपर्क करें:
मदन माली - 9669999779
राजमल गायरी - 9926640630

पता:
स्टेशन रोड, चर्च के पास,
नयागांव-नीमच

पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

GYANODAYA UNIVERSITY & GROUP OF INSTITUTES
27,000+ Alumni | 24 years

Admission Announcement 2026-27
A Leading & Premier University in the Serenity of Neemuch

Vibrant Campus Life with 9000+ Currently Enrolled Students	Highest Package ₹12.75 Lac	Average Package ₹4.75 Lac	220+ Recruitment Partners
--	----------------------------	---------------------------	---------------------------

Courses Offered

Pharmacy D.Pharm B.Pharm M.Pharm	Nursing B.Sc. Nursing GNM Nursing Post Basic Nur.	Management BBA MBA B.Com M.Com	Engineering B.Tech (CSE, Elect. Mech, Civil/Env. & Safety) M.Tech (Engineering Energy Tech)	Comp. Science BCA MCA B.Sc.(CS) M.Sc.(CS) DCA/PGDCA
Paramedical BPT BMLT DMLT OT/X-Ray	Agriculture B.Sc.(Ag) M.Sc. (Agronomy) (Horticulture)	Education B.Ed. D.Ed. BA B.Ed.* B.Sc. B.Ed.*	Polytechnic Electrical Mechanical Civil Comp. Sci.	ITI Electrician Fitter COPA
Science B.Sc. (PCMBZ/Biotech/ Microbio/CS) M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/ Physics/Bio.)	Social Work BSW MSW	Lib. Science B.Lib. M.Lib.	Art & Humanities BA (Plain/ Journalism & mass communication) MA (Hindi/Eng./Payco./Sociology Political Sci./Eco./Education)	Hotel Mgmt BHMCT Hotel Mgmt
Hospital Mgmt MBA in Hospital & Health Care Management	Ph.D All Subjects	Diploma Courses YOGA Beauty & Wellness Diet. & Nut. Fitness Mgmt		

For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.) Call: 9827550959, 7771001344
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु ~~45,990/-~~ रु **41,990/-**
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रु.41,990/- इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

INTRODUCING **KNIGHT+**

#BuiltToPerform

RTO मॉडल मात्र
रु ~~81,000/-~~ रु **76,000/-***
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866